रविवार 12 जुलाई, 2026

विषय — धर्मविधि

स्वर्ण पाठ: मीका 6: 8

"और यहोवा तुझ से इसे छोड़ और क्या चाहता है, कि तू न्याय से काम करे, और कृपा से प्रीति रखे, और अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चले?"

उत्तरदायी अध्ययन: इब्रानियों 9: 11-15

11 परन्तु जब मसीह आने वाली अच्छी अच्छी वस्तुओं का महायाजक होकर आया, तो उस ने और भी बड़े और सिद्ध तम्बू से होकर जो हाथ का बनाया हुआ नहीं, अर्थात इस सृष्टि का नहीं।
12 और बकरों और बछड़ों के लोहू के द्वारा नहीं, पर अपने ही लोहू के द्वारा एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया, और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया।
13 क्योंकि जब बकरों और बैलों का लोहू और कलोर की राख अपवित्र लोगों पर छिड़के जाने से शरीर की शुद्धता के लिये पवित्र करती है।
14 तो मसीह का लोहू जिस ने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के साम्हने निर्दोष चढ़ाया, तुम्हारे विवेक को मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीवते परमेश्वर की सेवा करो।
15 और इसी कारण वह नई वाचा का मध्यस्थ है, ताकि उस मृत्यु के द्वारा जो पहिली वाचा के समय के अपराधों से छुटकारा पाने के लिये हुई है, बुलाए हुए लोग प्रतिज्ञा के अनुसार अनन्त मीरास को प्राप्त करें।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. मत्ती 4: 23

23 और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बल्ता को दूर करता रहा।

2. मत्ती 5: 1, 2, 7

1 वह इस भीड़ को देखकर, पहाड़ पर चढ़ गया; और जब बैठ गया तो उसके चेले उसके पास आए।
2 और वह अपना मुंह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा,
7 धन्य हैं वे, जो दयावन्त हैं, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

3. मत्ती 12: 1 (यीशु)-13

1 उस समय यीशु सब्त के दिन खेतों में से होकर जा रहा था, और उसके चेलों को भूख लगी, सो वे बालें तोड़ तोड़ कर खाने लगे।
2 फरीसियों ने यह देखकर उस से कहा, देख तेरे चेले वह काम कर रहे हैं, जो सब्त के दिन करना उचित नहीं।
3 उस ने उन से कहा; क्या तुम ने नहीं पढ़ा, कि दाऊद ने, जब वह और उसके साथी भूखे हुए तो क्या किया?
4 वह क्योंकर परमेश्वर के घर में गया, और भेंट की रोटियां खाईं, जिन्हें खाना न तो उसे और उसके साथियों को, पर केवल याजकों को उचित था?
5 या तुम ने व्यवस्था में नहीं पढ़ा, कि याजक सब्त के दिन मन्दिर में सब्त के दिन के विधि को तोड़ने पर भी निर्दोष ठहरते हैं।
6 पर मैं तुम से कहता हूं, कि यहां वह है, जो मन्दिर से भी बड़ा है।
7 यदि तुम इस का अर्थ जानते कि मैं दया से प्रसन्न हूं, बलिदान से नहीं, तो तुम निर्दोष को दोषी न ठहराते।
8 मनुष्य का पुत्र तो सब्त के दिन का भी प्रभु है॥
9 वहां से चलकर वह उन की सभा के घर में आया।
10 और देखो, एक मनुष्य था, जिस का हाथ सूखा हुआ था; और उन्होंने उस पर दोष लगाने के लिये उस से पूछा, कि क्या सब्त के दिन चंगा करना उचित है?
11 उस ने उन से कहा; तुम में ऐसा कौन है, जिस की एक ही भेड़ हो, और वह सब्त के दिन गड़हे में गिर जाए, तो वह उसे पकड़कर न निकाले?
12 भला, मनुष्य का मूल्य भेड़ से कितना बढ़ कर है; इसलिये सब्त के दिन भलाई करना उचित है: तब उस ने उस मनुष्य से कहा, अपना हाथ बढ़ा।
13 उस ने बढ़ाया, और वह फिर दूसरे हाथ की नाईं अच्छा हो गया।

4. मरकुस 1: 39-42

39 सो वह सारे गलील में उन की सभाओं में जा जाकर प्रचार करता और दुष्टात्माओं को निकालता रहा॥
40 और एक कोढ़ी ने उसके पास आकर, उस से बिनती की, और उसके साम्हने घुटने टेककर, उस से कहा; यदि तू चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है।
41 उस ने उस पर तरस खाकर हाथ बढ़ाया, और उसे छूकर कहा; मैं चाहता हूं तू शुद्ध हो जा।
42 और तुरन्त उसका को ढ़ जाता रहा, और वह शुद्ध हो गया।

5. लूका 10: 25-37

25 और देखो, एक व्यवस्थापक उठा; और यह कहकर, उस की परीक्षा करने लगा; कि हे गुरू, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिये मैं क्या करूं?
26 उस ने उस से कहा; कि व्यवस्था में क्या लिखा है तू कैसे पढ़ता है?
27 उस ने उत्तर दिया, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।
28 उस ने उस से कहा, तू ने ठीक उत्तर दिया है, यही कर: तो तू जीवित रहेगा।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

29 परन्तु उस ने अपनी तईं धर्मी ठहराने की इच्छा से यीशु से पूछा, तो मेरा पड़ोसी कौन है?
30 यीशु ने उत्तर दिया; कि एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो को जा रहा था, कि डाकुओं ने घेरकर उसके कपड़े उतार लिए, और मार पीट कर उसे अधमूआ छोड़कर चले गए।
31 और ऐसा हुआ; कि उसी मार्ग से एक याजक जा रहा था: परन्तु उसे देख के कतरा कर चला गया।
32 इसी रीति से एक लेवी उस जगह पर आया, वह भी उसे देख के कतरा कर चला गया।
33 परन्तु एक सामरी यात्री वहां आ निकला, और उसे देखकर तरस खाया।
34 और उसके पास आकर और उसके घावों पर तेल और दाखरस डालकर पट्टियां बान्धी, और अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया, और उस की सेवा टहल की।
35 दूसरे दिन उस ने दो दिनार निकालकर भटियारे को दिए, और कहा; इस की सेवा टहल करना, और जो कुछ तेरा और लगेगा, वह मैं लौटने पर तुझे भर दूंगा।
36 अब तेरी समझ में जो डाकुओं में घिर गया था, इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?
37 उस ने कहा, वही जिस ने उस पर तरस खाया: यीशु ने उस से कहा, जा, तू भी ऐसा ही कर॥

6. मत्ती 26: 17-20, 26-28

17 अखमीरी रोटी के पर्व्व के पहिले दिन, चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे; तू कहां चाहता है कि हम तेरे लिये फसह खाने की तैयारी करें?
18 उस ने कहा, नगर में फुलाने के पास जाकर उस से कहो, कि गुरू कहता है, कि मेरा समय निकट है, मैं अपने चेलों के साथ तेरे यहां पर्व्व मनाऊंगा।
19 सो चेलों ने यीशु की आज्ञा मानी, और फसह तैयार किया।
20 जब सांझ हुई, तो वह बारहों के साथ भोजन करने के लिये बैठा।
26 उस ने उस से कहा, तू कह चुका: जब वे खा रहे थे, तो यीशु ने रोटी ली, और आशीष मांग कर तोड़ी, और चेलों को देकर कहा, लो, खाओ; यह मेरी देह है।
27 फिर उस ने कटोरा लेकर, धन्यवाद किया, और उन्हें देकर कहा, तुम सब इस में से पीओ।
28 क्योंकि यह वाचा का मेरा वह लोहू है, जो बहुतों के लिये पापों की क्षमा के निमित्त बहाया जाता है।

7. रोमियो 12: 1, 2

1 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ: यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।
2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 241: 19-22

सभी भक्ति का तत्व ईश्वरीय प्रेम का प्रतिबिंब और प्रदर्शन है, बीमारी को ठीक करना और पाप को नष्ट करना है। हमारे मास्टर ने कहा, "यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।"

2. 4: 5-9

हमारे मास्टर की आज्ञाओं को रखने के लिए और उनके उदाहरण का पालन करने के लिए, क्या वह हमारे लिए उचित ऋण है और उसने जो कुछ भी किया है, उसके लिए हमारी कृतज्ञता का एकमात्र योग्य प्रमाण है।

3. 25: 22-3

यद्यपि पाप और बीमारी पर अपने नियंत्रण का प्रदर्शन, किसी भी तरह से महान शिक्षक ने दूसरों को अपने स्वयं के पवित्रता के अपेक्षित प्रमाण देने से राहत नहीं दी। उन्होंने उनके मार्गदर्शन के लिए काम किया, ताकि वे इस शक्ति का प्रदर्शन कर सकें, जैसा कि उन्होंने किया और इसके दिव्य सिद्धांत को समझा। शिक्षक के प्रति विश्वास और सभी भावनात्मक प्रेम हम उस पर पूरा कर सकते हैं, कभी भी हमें उसका अनुकरण करने वाला नहीं बनाएंगे। हमें इसी तरह से जाना चाहिए और करना चाहिए, अन्यथा हम उन महान आशीषों में सुधार नहीं कर रहे हैं जो हमारे मास्टर ने काम किया था और हमारे लिए सबसे अच्छा था।

4. 27: 22-27

यीशु ने एक समय में सत्तर छात्रों को भेजा, लेकिन केवल ग्यारह ने एक वांछनीय ऐतिहासिक रिकॉर्ड छोड़ दिया। परंपरा उसे दो या तीन सौ अन्य शिष्यों के साथ श्रेय देती है जिन्होंने कोई नाम नहीं छोड़ा है। "क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत परन्तु चुने हुए थोड़े हैं॥" वे अनुग्रह से दूर हो गए क्योंकि वे कभी भी अपने गुरु के निर्देश को नहीं समझते थे।

5. 135: 26-32

जैसा कि जीसस ने सिखाया था कि ईसाई धर्म पंथ नहीं था, न ही कोई समारोह, और न ही कर्मकांडी यहोवा की ओर से कोई विशेष भेंट; लेकिन यह दिव्य प्रेम का प्रदर्शन था जिसमें त्रुटि करना और बीमारों को ठीक करना, न केवल मसीह, या सत्य के नाम पर, लेकिन सत्य के प्रदर्शन में, जैसा कि दिव्य प्रकाश के चक्रों में होना चाहिए।

6. 54: 1-4, 13-17

अपने इंसानी जीवन की महानता से, उन्होंने दिव्य जीवन को दिखाया। अपने शुद्ध प्यार की विशालता से, उन्होंने प्यार को परिभाषित किया।

अपने दिव्य आदेश के गवाह के तौर पर, उन्होंने यह सबूत पेश किया कि जीवन, सत्य और प्रेम बीमारों और पापियों को ठीक करते हैं, और मन के ज़रिए मौत पर जीत हासिल करते हैं, पदार्थ के ज़रिए नहीं। यह दिव्य प्रेम का सबसे बड़ा सबूत था जो वह दे सकते थे।

7. 51: 19-24

उनका घाघ उदाहरण हम सभी के उद्धार के लिए था, लेकिन केवल उन कार्यों को करने के माध्यम से जो उन्होंने किए और दूसरों को करना सिखाया। उपचार में उनका उद्देश्य केवल स्वास्थ्य को बहाल करना ही नहीं था, बल्कि अपने दिव्य सिद्धांत को प्रदर्शित करना भी था। वह परमेश्वर से, सत्य और प्रेम से, जो कुछ उसने कहा और किया, उससे प्रेरित था।

8. 40: 25-30

हमारे स्वर्गीय पिता, दिव्य प्रेम, मांग करते हैं कि सभी पुरुषों को हमारे गुरु और प्रेरितों के उदाहरण का पालन करना चाहिए न कि केवल उनके व्यक्तित्व की पूजा करनी चाहिए। यह दुखद है कि वाक्यांश ईश्वरीय सेवा आम तौर पर दैनिक कर्मों के बजाय सार्वजनिक पूजा का मतलब है।

9. 487: 25-2

धर्मदूत जेम्स ने कहा, "मुझे अपना विश्वास अपने कामों के बिना दिखाओ, और मैं तुम्हें अपना विश्वास अपने कामों से दिखाऊंगा।" यह समझ कि जीवन ईश्वर है, आत्मा है, जीवन की अमर सच्चाई, उसकी सर्वशक्तिमानता और अमरता में हमारे भरोसे को मज़बूत करके हमारे दिनों को लंबा करती है।

यह विश्वास एक समझे हुए सिद्धांत पर निर्भर करता है। यह सिद्धांत बीमारों को ठीक करता है, और चीज़ों के स्थायी और सामंजस्यपूर्ण पहलुओं को सामने लाता है। हमारी शिक्षाओं का नतीजा उनकी काफ़ी पुष्टि है।

10. 32: 15-27

हमेशा अच्छा रहने की आदतन संघर्ष एक दैनिक प्रार्थना है। इसका मकसद उनके द्वारा लाए गए आशीर्वाद में प्रकट होना है, — वह आशीर्वाद, जो भले ही श्रव्य शब्दों में स्वीकार नहीं किया जाता है, हमारी योग्यता को प्यार का भागीदार बनाते हैं।

श्रव्य प्रार्थना कभी भी आध्यात्मिक समझ का कार्य नहीं कर सकती, जो पुनर्जीवित करती है; लेकिन मौन प्रार्थना, सतर्कता और निष्ठावान आज्ञाकारिता हमें यीशु के उदाहरण का अनुसरण करने में सक्षम बनाती है।

11. 35: 19 (हमारा बपतिस्मा)-29

हमारा बपतिस्मा सभी त्रुटि से शुद्धिकरण है। हमारा चर्च ईश्वरीय सिद्धांत, प्रेम पर बना है। हम इस चर्च के साथ तभी जुड़ सकते हैं जब हम आत्मा के नवजात हैं, जब हम जीवन तक पहुँचते हैं जो कि सत्य है और सत्य जो कि जीवन है, प्रेम के फल को सामने लाकर, - त्रुटि को दूर करके और बीमारों को ठीक करके। हमारा ईश्वरवादी एक ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संवाद है। हमारी रोटी, "जो स्वर्ग से नीचे आती है," सत्य है। हमारा प्याला पार है। हमारी शराब प्रेम की प्रेरणा थी, हमारे मास्टर ने मसौदा तैयार किया और अपने अनुयायियों की प्रशंसा की।

12. 33: 27 (ईसाइयों)-17

ईसाई, क्या आप उसका प्याला पी रहे हैं? क्या आपने नई वाचा के खून को साझा किया है, जो उत्पीड़न भगवान की एक नई और उच्च समझ में भाग लेते हैं? यदि नहीं, तो क्या आप यह कह सकते हैं कि आपने यीशु को उसके

प्याले में स्मरण किया है? क्या वे सभी जो यीशु की याद में रोटी खाते हैं और शराब पीते हैं, अपना प्याला पीना चाहते हैं, अपना क्रूस लेते हैं, और मसीह-सिद्धांत के लिए सब छोड़ देते हैं? फिर एक मृत संस्कार की प्रेरणा को दिखाने के बजाय, त्रुटि दिखाने और शरीर को "भगवान के लिए स्वीकार्य," बनाकर दिखाने के बजाय कि सत्य समझ में आ गया है? यदि मसीह, सत्य, प्रदर्शन में हमारे पास आए हैं, तो प्रदर्शन के लिए किसी अन्य स्मारक की आवश्यकता नहीं है, प्रदर्शन के लिए इमैनुअल, या भगवान हमारे साथ हैं; और यदि कोई मित्र हमारे साथ है, तो हमें उस मित्र के स्मारक की आवश्यकता क्यों है?

अगर कभी संस्कार का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों ने यीशु की पीड़ाओं को याद किया और उनके प्याले को पीया, तो उन्होंने दुनिया में क्रांति ला दी। यदि सभी जो भौतिक प्रतीकों के माध्यम से अपने स्मरणोत्सव की तलाश करते हैं, तो क्रूस को उठाएंगे, बीमारों को चंगा करेंगे, बुराइयों को बाहर निकालेंगे, और गरीबों को मसीह, या सत्य का उपदेश देंगे, - ग्रहणशील विचार, - वे सहस्त्राब्दी में लाएंगे।

13. 55: 16-26

मेरी थकी हुई आशा उस सुखद दिन को महसूस करने की कोशिश करती है, जब मनुष्य मसीह के विज्ञान को पहचान लेगा और अपने पड़ोसी को अपने जैसा प्यार करेगा, — जब वह ईश्वर की सर्वशक्तिमानता और उस परमात्मा की उपचार शक्ति का एहसास करेगा जो उसने किया है और मानव जाति के लिए कर रहा है। वादे पूरे होंगे। दिव्य चिकित्सा के प्रकट होने का समय हर समय है; और जो कोई भी दिव्य विज्ञान की वेदी पर अपने सांसारिक स्तर को रखता है, अब मसीह के प्याले को पीता है, और वह ईसाई उपचार की भावना और शक्ति से संपन्न है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6